22/04/2020
Wednesday

D. El. Ed 4th Sem

Sub - Educational management and Administration - Edu-08

Topic - Management of Human Resources

मानव संसाधन का प्रबन्धन

" शिक्षा में मानव संसाधन से तात्पर्य विद्यालय में शिक्षा के सुगमीत क्रियान्वयन हेतु उचित रूप से मानव संसाधनों (प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र, अभिभावक एवं अन्य कर्मियों) की व्यवस्था/प्रबन्धन से है। तथा मानव सम्बन्धों के अन्तर्गत इन समस्त तथ्यों के मध्य सामंजस्यता स्थापित करते हुए उचित शिक्षा प्रक्रिया के संचालन से है।"

मानव संसाधन प्रबन्धन की आवश्यकता

1. विद्यालय की आवश्यकताओं (वर्तमान/भविष्य) के लिए।
2. शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करना।
3. समस्त कर्मचारी (शिक्षक, छात्र, अभिभावक) कार्य के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ाने हेतु।
4. समस्त कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु।
5. शिक्षण क्रियाओं को समुचित ढंग से संचालित करने हेतु

मानवीय संसाधनों के पारस्परिक सम्बन्धों का प्रभाव

1. विद्यालय के द्वारा समाज की आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु।
2. उत्तम सामाजिक गुणों का विकास।
3. चहुँमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त।
4. उदार/मानवीय सम्बन्धों का विकास।
5. विद्यालय का सर्वोत्तम विकास।
6. विद्यालय प्रबन्धन + विद्यालय प्रशासन दोनों में मधुर मानवीय सम्बन्ध स्थापित करना।
7. प्रेम, सहयोग, उदारता आदि सामाजिक गुणों का विकास करना।

Scanned with CamScanner

विद्यालय में प्रमुख मानव संसाधन

प्रमुख स्थान → प्रधानाचार्य (प्रमुख प्रबन्धक)

अन्य प्रबन्ध तन्त्र → अध्यापक / कर्मचारी / छात्र / अभिभावक

प्रधानाचार्य का उत्तरदायित्व 'अहम्' होता है।

मानवीय संसाधनों का विस्तृत वर्णन

(1) प्रधानाचार्य
(2) अध्यापक
(3) छात्र
(4) समुदाय

B.R.C. Deoband
AMIS Pro – Sapna Tyagi